महान सम्राट अशोक

शब्दार्थ :-

जिज्ञासा	-	उत्सुकता
चिह्न	_	निशान
दफ़्तर	-	ऑफिस
दाहिना सिरा	_	सीधे तरफ से (सीधा कोना)
उपरांत	-	बाद में , पश्चात
लक्ष्य	_	उद्देश्य
चिकित्सालय	-	अस्पताल (हॉस्पिटल)
वजयश्री	_	जीत
पराधीन	-	किसी दूसरे के अधीन होना (गुलाम)

प्रश्नोत्तर :-

क) हमारे देश के सिक्कों तथा नोटों पर सिंहों का एक सुंदर चिन्ह बना हुआ है व उन सिंहों के पंजो के नीचे एक पट्टी के बीच में एक चक्र बना हुआ है | इस चिन्ह के साथ सम्राट अशोक का नाम जुड़ा हुआ है | यह चिन्ह महाराज अशोक के द्वारा बनवाए हुए स्तंभ से लिया गया है |

ख) चिन्ह के नीचे सत्यमेव जयते लिखा हुआ है | जिसका अर्थ है -'सत्य की ही जीत होती है ' |

ग) राजकुमार अशोक बहुत क्रोधी और उग्र स्वभाव का था | इसी कारण उसे चंड़ अशोक कहा जाता था |

घ) सम्राट अशोक ने कलिंग राज्य पे आक्रमण किया था | उस राज्य को अब ओडिशा कहा जाता है | कलिंग का राजा प्रतापी और स्वतंत्रता - प्रिय था | पराधीन होकर जीने से अच्छा वह मर जाना अच्छा समझता था |

ड) दोनों राज्यों की ओर से भयंकर युद्ध हुआ | कलिंग की सेना ने अशोक की सेना का डटकर मुक़ाबला किया | यह युद्ध आठ वर्षों तक चला | दोनों ओर के असंख्या योद्धाओ ने अपने प्राण गँवाए | अपार जन -धन की हानि हुई |

च) यह विजय ऐसी थी , जिस पर पराजय भी हँसती थी - ऐसा इसलिए कहा गया क्यूँकि इस अपार नर-संहार और जन -धन की हानि को देखकर क्रूर अशोक का हृदय भी पिघल गया था |

छ) युद्ध समाप्त होने पर एक दिन सम्राट अशोक युद्ध -भूमि में गए | वहाँ का दृश्य अत्यंत करुणाजनक था | सैनीकों के सिर भूमि पर लोट रहे थे तो कहीं खून से लथपथ उनके धड़ पड़े हुए थे | युद्ध - भूमि रक्त से नहाई हुई थी | चारों ओर घायल सैनिकों की कराहें और चीत्कार की ध्वनियाँ सुनाई दे रही थीं | यह दृश्य देखकर अशोक का हृदय भी कराह उठा | बौद्ध साधु उपगुप्त के उपदेश से प्रभावित होकर अशोक ने भविष्य में कभी भी अपनी तलवार को म्यान से न निकालने का प्रण लिया | अशोक ने बौद्ध धर्म को अपना लिया एवं आजीवन अहिंसा का पालन किया |

ज) अशोक ने मानव - हित को ही अपना लक्ष्य बनाया | प्रजा के हित के लिए अनेक औषधालय और चिकित्सालय स्थापित किए गए | यहाँ तक की पशुओं के लिए भी चिकित्सालय बनवाए | यात्रियों की सुविधा के लिए सड़कों का निर्माण कराया गया | सड़कों के दोनों ओर छायादार वृक्ष लगवाए गए | थोड़ी -थोड़ी दूर पर कुएँ खुदवाए गए | यात्रियों और व्यापारियों के ठहरने के लिए सरायें बनवाई गई | अशोक ने अपनी प्रजा के जीवन को अशोक (शोकरहित) बनाने का प्रयत्न किया |

झ) पत्थर की चट्टानों को समतल और चिकना बनाकर उन पर अपना सन्देश खुदवाया जाता था | उसी को शिलालेख कहते है | अशोक ने शिलालेख खुदवाकर उनके माध्यम से अपने राज्य के सभी नागरिकों तक अपने सन्देश पहुँचाते थे | उन पर सन्देश लिखे जाते थे |